

आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में समझौता ज़्यापन: भारत-तुर्कमेनसितान

प्रलिमिस के लिये:

तुर्कमेनसितान और मध्य एशियाई राष्ट्र, TAPI पाइपलाइन, अशगाबात समझौता।

मेन्स के लिये:

भारत और इससे संबंधित चुनौतियों के लिये मध्य एशियाई देशों का महत्व।

चर्चा में क्यों?

हाल ही में भारत और तुर्कमेनसितान के बीच [आपदा प्रबंधन](#) के क्षेत्र में सहयोग पर एक समझौता ज़्यापन (MoU) पर हस्ताक्षर किये गए।



प्रमुख बाति

परचिय:

- यह समझौता ज़्यापन एक ऐसी प्रणाली स्थापित करने का प्रयास करता है जिससे दोनों ही देश एक-दूसरे के आपदा प्रबंधन तंत्र से लाभान्वित हों।
- यह आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में तैयारियों, प्रतक्रिया और क्षमता निर्माण के क्षेत्रों को मजबूत करने में मदद करेगा।
- वर्तमान में भारत के पास सवादिजरलैंड, रूस, जर्मनी, जापान, ताजिकिस्तान, मंगोलिया, बांग्लादेश, इटली और [दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय](#)

सहयोग संघ (जारक) के साथ आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में सहयोग के लिये द्विपक्षीय या बहुपक्षीय समझौते/समझौता ज्ञापन/आशय की संयुक्त घोषणा/सहयोग ज्ञापन हैं।

■ **भारत-तुर्कमेनसितान संबंध:**

- तुर्कमेनसितान उत्तर में कज़ाखस्तान, उत्तर व उत्तर-पूर्व में उज्बेकसितान, दक्षिण में ईरान तथा दक्षिण-पूर्व में अफगानसितान के साथ सीमा साझा करता है।
- भारत की 'कनेक्ट सेंट्रल एशिया' नीति 2012 में इस क्षेत्र के साथ गहरे पारस्परिक संबंधों की परकिल्पना की गई है जो ऊर्जा संबंधी नीति का एक महत्वपूर्ण घटक है।
- भारत अशगाबात समझौते में शामिल है, जिसमें व्यापार और नविश को महत्वपूर्ण रूप से आगे बढ़ाने हेतु मध्य एशिया को फारस की खाड़ी से जोड़ने वाला एक अंतर्राष्ट्रीय परिवहन और पारगमन गलियारा स्थापित करने की परकिल्पना की गई है।
- भारत **तापी (TAPI) पाइपलाइन** (तुर्कमेनसितान, अफगानसितान, पाकसितान और भारत) को तुर्कमेनसितान के साथ अपने आर्थिक संबंधों में एक 'प्रमुख स्तंभ' मानता है।
- वर्ष 2015 में 'फ्रीडम इंस्टीट्यूट ऑफ वर्ल्ड लैंग्वेजेज़', अशगाबात में हादी पीठ की स्थापना की गई, जहाँ विश्वविद्यालय में छात्रों को हादी पढ़ाइ जाती है।
- भारत ITC (भारतीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग) कार्यक्रम के तहत तुर्कमेनसितान के नागरिकों को प्रशिक्षण प्रदान करता है।
- तुर्कमेनसितान **संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद** में भारत की स्थायी सदस्यता का समर्थन करता है।
- तुर्कमेनसितान 40 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक की अर्थव्यवस्था है, लेकिन भारत के साथ द्विपक्षीय व्यापार इसकी क्षमता से कम है। भारत तुर्कमेनसितान में विशेष रूप से सूचना और संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) क्षेत्र में अपनी आर्थिक उपस्थितिबढ़ा सकता है। इससे भविष्य के व्यापार संतुलन को बनाए रखने में मदद मिलेगी।
- हाल ही में **भारत-मध्य एशिया वारता** की तीसरी बैठक नई दलिली में आयोजित की गई थी।
 - यह भारत और मध्य एशियाई देशों जैसे कज़ाखस्तान, करिंगजिस्तान, ताजिकिस्तान, तुर्कमेनसितान और उज्बेकसितान के बीच एक मंत्री स्तरीय संवाद है।

स्रोत- पी.आई.बी

PDF Reference URL: <https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/mou-in-the-field-of-disaster-management-india-turkmenistan>